श्रुताराधक पंडित श्रेयांसजी का भव्य अभिनंदन समारोह

जिनवाणी साधना के सशक्त हस्ताक्षर, शास्त्री परिषद के यशस्वी अध्यक्ष, स्यादवाद महाविद्यालय के अमूल्य रत्न, राष्ट्रीय स्तर के लगभग दो दर्जन पुरस्कारों और दर्जनों उपाधियों से विभूषित, संस्कृत भाषा मर्मज्ञ, व्याख्यान वाचस्पति पंडित डॉ. श्रेयांसकुमार जैन का अभिनंदन समारोह भव्य रूप में दिनांक 18 अक्टूबर को गजियाबाद में अनेक शुभकामनाओं और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। उपाध्याय श्री 108 नयनसागरजी मुनिराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह के मुख्य अतिथि श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नयी दिल्ली के कुलपति प्रो. रमेशकुमार पाण्डेयजी, अध्यक्ष श्रीमती सरिता महेन्द्रकुमार जैन, चेन्नई, डॉ. रमेशचंद्र जैन, श्रवणबेलगोला, श्री निर्मलजी सेठी आदि समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं जैन विद्ववत जगत के शीर्षस्थ विद्वानों की विशाल उपस्थिति में डॉ. श्रेयांशजी को विशाल अभिनंदन ग्रंथ समर्पित कर उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सूरजमल विहार की समाज ने डॉ. श्रेयांसजी को 'सिद्धांतमहोदधि' की उपाधि से अलंकृत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ विद्वानों में प्रो. भागचंद भास्कर, प्रो. प्रेमसुमन जैन, प्रो. फूलचंद जैन, प्रो. वृषभप्रसाद जैन, प्रो. अशोक जैन, प्रो. विजय जैन, प्रो. नलिन शास्त्री, डॉ. शीतलचंद जैन, डॉ. कपूरचंद जैन, डॉ. नरेन्द्र जैन, डॉ. सुरेन्द्र भारती आदि अनेक विद्वानों की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इन्दौर गोलालारीय समाज न्यास के अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, सचिव बाहुबली एवं न्यासी राजेन्द्रकुमार सांईनाथ कालोनी ने समाज की ओर से डॉ. श्रेयांशजी का सम्मान किया। श्रवणबेलगोला से पधारे लगभग 52 कलाकारों ने अद्भुत सांस्कृतिक नृत्य के माध्यम से जिनवाणी की वंदना और प्रस्तुत की। अनेक वक्ताओं ने डॉ. श्रेयांशजी ने विगत पचास से भी अधिक वर्षों में जैन, धर्म, दर्शन एवं समाज के क्षेत्र में जो अभूतपूर्व योगदान की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस भव्य समारोह के माध्यम से समाज उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करके गौरवान्वित हुआ।

पत्रकार प्रदीप जैन को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान

संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में 'संसदीय हिन्दी परिषद' का राष्ट्रभाषा उत्सव एवं राष्ट्रभाषा सम्मान आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रसिद्ध पत्रकार, कवि एवं टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्माता श्री प्रदीप जैन को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान (मीडियाकर्मी) अर्पण किया गया। साहित्य अनुरागियों से खचाखच भरे संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में पूर्व लोक सभा सचिव एवं संसदीय विशेषज्ञ पद्मभूषण डॉ. सुभाष कश्यप, विशिष्ट अतिथि डॉ. देवेन्द्र राज अंकुर, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल श्री त्रिलोकीनाथ चर्तुवेदी, 'परिचय साहित्य परिषद' की अध्यक्षा श्रीमती उर्मिल सत्यभूषण, 'विधि भारती परिषद' की महासचिव श्रीमती संतोष खन्ना तथा पूर्व सांसद श्रीमती सत्या बहिन के कर कमलों द्वारा प्रदीप जैन को मिला यह सम्मान हम सभी मित्रों, काव्य प्रेमियों, पत्रकार जगत और जैन समाज के लिए गौरव की बात है।

प्रदीप जैन एक बहुआयामी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व हैं जिनके खाते में पत्रकारिता और कई पत्रिकाओं का संपादन दर्ज़ है। रेडियो, टेलीविजन के लिए अनेक धारावाहिक एवं टेली–फिल्मों का निर्माण आप कर चुके हैं। काव्य की कई विधाओं में भी आप सफलतापूर्वक अपना योगदान देते रहते हैं और एक लोकप्रिय कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

कवि पत्रकार प्रदीप जैन असम के मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित

देश का जानी मानी साहित्यिक संस्था **'सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति'** का तीन दिवसीय 7वां राष्ट्रीय अधिवेशन गुवाहाटी (असम) में संपन्न हुआ। अधिवेशन उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई ने किया। शिल्पोग्राम के भव्य सभागार में हुये इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि पं. सुरेश नीरव ने की। प्रेक्षा प्रकाशन के संपादक और साहित्य प्रेमी श्री जगदीश ठकराल के गरिमामयी संयोजन में कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में 'जैन प्रचारक' के मुख्य संपादक एवं टी.वी. फिल्म निर्माता, पत्रकार–कवि श्री प्रदीप जैन सहित देशभर से आये कई रचनाकारों को मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई ने स्मृति चिन्ह और शाल प्रदान कर सम्मानित किया।

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास एवं गोलालारी दर्शन परिवार की ओर से आपकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाईयां प्रेषित करता है।

यंग जैना अवार्ड सिद्धक्षेत्र पावागिरी में संपन्न

राजेश जैन, झाँसी। प्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरी (पवाजी) में राष्ट्रीय यंग जैना अवार्ड का दो दिवसीय गरिमामयी समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनेक राज्यों से आई होनहार प्रतिभाओं का आत्मीय स्वागत पश्चात सत्र का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने भगवान पार्श्वनाथ, आचार्यश्री विद्यासागरजी व मुनिश्री क्षमासागरजी के चित्रों का अनावरण प्रबंधकारिणी समिति, पावागिरी ने एवं दीप प्रज्जवलन ब्रह्मचारी विजय भैया व त्यागी बहनों ने कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यंग आर्केस्ट्रा झाँसी ने सुमधुर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। लंदन से आये इंजी. योगेन्द्र जैन (शिवपुरी में 2001 में संपन्न पहले राष्ट्रीय यंग जैना अवार्ड के टॉपर अवार्डी) एवं मुंबई से आई श्रीमती रेशु जैन ने 'यंग जैना अवार्ड' की रुपरेखा खुबसूरती के साथ प्रस्तुत की। इस पहले सत्र में नई दिल्ली से आए मैनेजमेंट गुरु श्री रवि स्वामीनाथन ने 'व्यक्तित्व विकास' पर सारगर्भित व्याख्यान में जीवन में आगे बढ़ने के लिए 15 सूत्र बताते हुए इनकी व्याख्या की और मेघावी प्रतिभाओं की 'करियर कांउसलिंग' की, जिसमें प्रतिभाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर श्री अतुल जैन दिल्ली, श्री धरणेन्द्र जैन व श्री राजेन्द्र जैन झांसी ने श्री स्वामीनाथन का भावभीना सम्मान किया।

द्वितीय सत्र मंदिरजी में आरती के बाद सायं 7 बजे शुरु हुआ। इस विशेष सत्र में कक्षा 10वीं एवं 12वी के अवार्डियों को विभिन्न क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने करियर संबंधी सार्थक मार्गदर्शन दिया। श्री योगेन्द्र जैन लंदन ने सिविल सर्विसेस, श्री सिद्धार्थ जैन (आर.जी अकेडमी अजमेर) एवं निकुंज जैन दिल्ली ने इंजीनियरिंग, श्री आलोक जैन मुंबई ने मैनेजमेंट, श्री नमन जैन ने सी.ए.–सी.एस. श्री अनुराग जैन ने मेडिकल और श्री सौरभ जैन ने आंतेप्रेन्योरशिप पर अवार्डियों को मार्गदर्शन दिया ताकि वे अपनी रुचि के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सके। इसी सत्र में पूज्य मुनिश्री क्षमासागरजी के करियर चुनने पर केन्द्रित प्रवचन की विडियो और मुनिश्री के जीवन पर केन्द्रित एक प्रेरक डाक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गयी। मैत्री समूह अजमेर के साथियों ने 'धर्म और विज्ञान' विषय पर सारगर्भित प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रभात फेरी निकाली गई। 6.30 से 7.00 बजे तक सभी को बेसिक योगा से परीचित कराते हुए अभ्यास कराया गया।आमंत्रित प्रतिभाएं एवं मैत्री समूह के सदस्यों ने पूजन व अभिषेक किया। तत्पश्चात आईआईएम के प्रोफेसर व अन्य प्रोफेसनल ट्रेनर श्री प्रियंका गांगुलीजी ने 'पर्सनल्टी डेवलेपमेंट' पर बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। आयोजन में देशभर से मिली 1395 प्रतिभाओं की प्रविष्टियों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चयनित 100 प्रतिभाओं का आत्मीय एवं गरिमापूर्ण सम्मान समारोह हुआ। उल्लेखनीय है कि यंग जैना अवार्ड में सन् 2015 में 10वी कक्षा में 85%, 12वीं कक्षा में साइंस में 80% एवं आर्ट्स एवं कामर्स में 75% या इससे अधिक अंक पाने वाली मेघावी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। गौरतलब है कि बिना शासकीय सहायता के जैन समुदाय द्वारा देशभर की जैन प्रतिभाओं का सम्मान समारोह अत्यंत प्रबंधकीय कौशल व अनुशासन के साथ आयोजित होता है। अवार्डी पूज्य आचार्यश्री के दर्शन करने बीनाबारहाजी गये परिचय के दौरान जब आचार्यश्री को बताया गया कि पूज्यश्री इनमें से कई अवार्डी 100 में से 100% लाये है तो आचार्यश्री ने प्रसन्न होकर सभी को खूब आशीर्वाद दिया। पूज्य मुनिश्री योगसागरजी, पूजय मुनिश्री प्रभादसागरजी, पूज्य मुनि संभवसागरजी, पूज्य मुनिश्री सौम्यसागरजी ने सभी को मार्गदर्शित किया।

पूज्य मुनिश्री ने निस्चलसागरजी (जो अपने गृहस्थ जीवन में मैत्री समूह के लिए समर्पित थे) ने सभी अवार्डी को विशेष मार्गदर्शन एवं नियम दिलाये। हमारे पुण्य मुनिश्री क्षमासागरजी का आशीर्वाद हम सबको मिला है। अपने हिस्से के इस आशीर्वाद और स्नेह को हमने अतिथि सत्कार, विनय और सेवा के रूप में पिछले दिनों दूसरो को दिया है, और देकर इसे बढ़ाया है। एक टीम के रूप में किये गये कार्यों की परिणति का आयोजन की भव्यता और सफलता में दिख रही है, मैत्री समूह के प्रत्येक यूनिट और वालंटियर्स ने निष्ठा के साथ अपने हिस्से का कार्य किया। सुदूर जंगल में स्थित सिद्धक्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में अपने अपने हिस्से के कार्यों को पूरी प्रसन्नता से हर कोई कर रहा था। हम सब मुनिश्री को याद करते हुए यथाशक्ति धर्म और त्याग करते हुए इसमें संलग्न थे। हम जानते है जो वहां उपस्थित नहीं थे उन्होंने ने भी अपनी शुभकामनायें दी है। स्वयं और पर के कल्याण के लिए किये गये आयोजन के लिए सब बधाई के पात्र हैं कार्यक्रम के सभी सत्रों का संचालन डॉ. सुमति प्रकाश जैन व श्री राजेश बड़कुल छतरपुर द्वारा किया गया एवं आभार इंजी. योगेन्द्र जैन लंदन द्वारा माना गया।